National Children Science Model Competition

(5th October,2023)

The 31st KVS National Children Science Congress-2023, themed "Understanding Ecosystem for Health and Wellbeing," held at KV 1 Roorkee on October 5, 2023 drawing the participation of 88 students from 38 Kendriya Vidyalayas across Uttarakhand along with their 38 teachers. This event was graced by the presence of Dr. Omkar Singh, who served as the chief guest. Dr. P.K.S. Chauhan, Senior Principal Scientist at CSIR-CBRI, and Miss Shreya Negi, Project Associate at CSIR-CBRI, attended as esteemed jury members. Students from grades 7 to 11 presented their projects within the Junior and Senior categories. The event not only encouraged scientific exploration but also fostered collaboration, critical thinking, and environmental awareness, promising a bright future for science in Uttarakhand.

आज दुनिया पूरी तरह से विज्ञान पर निर्भर

● जनवाणी संवाददाता, रुड़की

केंद्रीय विद्यालय क्रमांक - एक रुड़की में 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मलेन - 2023 का उद्घाटन हुआ। दो दिवसीय प्रतियोगिता का आयोजन केन्द्रीय विद्यालय संगठन, देहरादून संभाग द्वारा किया जा रहा है। जिस में 38 केंद्रीय विद्यालयों के 88 प्रतिभागी अपने 38 अनुरक्षकों के साथ प्रतिभाग कर रहे है । इस दो दिवसीय कार्यक्रम के मुख्य पर्यवेक्षक केंद्रीय विद्यालय एफ आर आई देहरादून के प्राचार्य हनुमंत सिंह है । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ ओमकार सिंह थे। सर्वप्रथम प्राचार्य चन्द्र शेखर बिष्ट के साथ मुख्य अतिथि ने माँ सरस्वती के आगे दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ कियो इस प्रदर्शनी प्रतियोगिता में आई आई टी रुड़की, सी बी आर आई, रुड़की तथा राष्ट्रीय जल विज्ञानं संस्थान, रुड़की जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं वैज्ञानिकों में डॉ ऐ आर सेंथिल कुमार, प्रोफेसर बी के पात्रा, प्रोफेसर अखिलेश कुमार मिश्रा, डॉ प्रदीप कुमार, डॉ राजेश सिंह,डा. प्रदीप चौहान, डॉ नीता मित्तल, दिगंबर सिंह, डॉ विनय कुमार त्यागी, तथा सुश्री श्रेया नेगी विद्यार्थियों के वैज्ञानिक प्रतिभा तथा उनके मॉडल का मूल्याङ्कन करेंगे । विज्ञानं एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार द्वारा दिया इस वर्ष की प्रतियोगिता का मुख्य विषय है :

स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना

इसके अंतर्गत पांच उप विषय है। इसमें अपने पारिस्थितिकी तंत्र को जानें। स्वास्थ्य, पोषण और कल्याण को बढ़ावा देना। पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक प्रथाएँ। आत्मनिर्भरता के लिए पारिस्थितिकी तंत्र आधारित दृष्टिकोण (ईबीए)। पारिस्थितिकी तंत्र और स्वास्थ्य के लिए तकनीकी नवाचार शामिल है। प्राचार्य चन्द्र शेखर बिष्ट ने कहा कि आज दुनिया पूरी तरह से विज्ञान पर निर्भर हो चुकी है, इसलिए आज के मॉडर्न युग को विज्ञान का युग कहा जाने लगा है, क्योंकि विज्ञान ने कई ऐसे चमत्कारिक अविष्कार कर चीजों को इतना आसान बना दिया है, जो कि इंसान पहले कभी सोच भी नहीं सकता था। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ ओमकार सिंह ने कहा कि विज्ञान की बदौलत ही आज हमारा सामाजिक और आर्थिक परिवेश पूरी तरह बदल गया है। जहां विज्ञान का प्रभाव नहीं पड़ा हो। औद्योगिकी, चिकित्सा, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, मनोरंजन, संचार, अंतरिक्ष, इलैक्ट्रिसिटी, पर्यटन समेत हर क्षेत्र में आज विज्ञान की चकाचौंध दिखाई देती हैं, विज्ञान की नई-नई तकनीक ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास किया गया है। बालमन बहुत जिज्ञासु होता है, इसलिए विद्यार्थियों को हमेशा कुछ न कुछ नया करने की कोशिश करते रहना चाहिए। राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता लाना और विज्ञान और प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम का संयोजन भौतिकी विज्ञान के शिक्षक श्री एस एस रावत तथा सञ्चालन ओमबीर सिंह तथा पूनम कुमारी ने किया।

हिन्दुस्तान www.livehindustan.com

केन्द्रीय विद्यालय नंबर एक में राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन

विज्ञान से आर्थिक परिवेश बदला: डॉ. ओमकार

सम्मेलन

रुड़की, कार्यालय संवाददाता। राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ओमकार सिंह ने कहा कि विज्ञान की बदौलत आज हमारा सामाजिक और आर्थिक परिवेश पूरी तरह बदल गया है। आज दुनिया का कोई भी क्षेत्र ऐसा नहीं है, जहां विज्ञान का प्रभाव नहीं पड़ा हो।

रुड़की के केवि-एक में राष्ट्रीय बाल विज्ञान सम्मेलन का उद्घाटन करते अतिथि।